लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3356

12 जुलाई, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

तमिलनाडु में वस्त्र क्षेत्र का विकास

3356. श्री एम. सेल्वराजः

श्री जी. सेलवमः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु राज्य में मंत्रालय द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार तमिलनाडु में वस्त्र क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं/ परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गत तीन वर्षों और चालू वर्ष में से प्रत्येक के दौरान कितनी धनराशि आवंटित और जारी की गई है;

(घ) इन योजनाओं/परियोजनाओं के तहत राज्य सरकार की कितनी हिस्सेदारी है;

(ङ) इन सभी योजनाओं/परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(च) वस्त्र उद्योग में लगे कुल कितने लोगों को इन योजनाओं के क्रियान्वयन से लाभ मिला है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) से (च) सरकार तमिलनाडु राज्य सहित देशभर में कई वस्त्र योजनाएं क्रियान्वित कर रही है जिनका उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र को बेहतर बनाना है। कुछ प्रमुख योजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

निधियों का आवंटन अखिल भारत आधार पर योजनावार किया जाता है। तमिलनाडु में वस्त्र क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवंटित, जारी की गई निधियों की वर्तमान स्थिति सहित उनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:

i) प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टीयूएफएस)

(करोड़ रू. में)

क्रम सं.	**वर्ष**	**आवंटित बजट**	**संशोधित आवंटन**	**जारी कुल सब्सिडी**	**तमिलनाडु में जारी की गई सब्सिडी**
1	2016-17	1480.00	2610.00	2619.29	328.24
2	2017-18	2013.00	1913.15	1911.94	178.68
3	2018-19	2300.00	-	620.12	51.92
4	2019-20 (08/07/2019 की स्थिति के अनुसार)	700.00	-	-	-

ii) एकीकृत वस्त्र पार्क योजना (एसआईटीपी) : इस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में 8 वस्त्र पार्क स्वीकृत किए गए हैं। आवंटित निधियों सहित स्थिति का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	**पार्क का नाम**	**स्थान**	**स्थिति**
1	सीमा टेक्स्टाइल प्रोसेसिंग सेंटर	कुड्डालोर	स्वीकृत
2	पल्लादम हाई-टेक विविंग पार्क	पल्लादम	पूर्ण
3	कोमारापलायम हाई-टेक विविंग पार्क	कोमारापलायम	स्वीकृत
4	करूर इंटीग्रेटिड वस्त्र पार्क	करूर	पूर्ण
5	मदुरई इंटीग्रेटिड वस्त्र पार्क	मदुरई	पूर्ण
6	पेरारीगनर अन्ना हैण्डलूम सिल्क पार्क	कांचीपुरम	स्वीकृत
7	पल्लावदा टेक्सटाइल पार्क	गोबी	स्वीकृत
8	दी ग्रेट इंडियन लिनेन एण्ड टेक्सटाइल इंफ्रा. कंपनी	इरोड	स्वीकृत

तमिलनाडु राज्य में एसआईटीपी पर व्यय (करोड़ रू. में)							
2016-17		**2017-18**		**2018-19**		**2019-20**	
सं.अ.	**वास्तविक**	**सं.अ.**	**वास्तविक**	**सं.अ.**	**वास्तविक**	**ब.अ.**	**वास्तविक**
48	1.5	38	2.5	25.65	-	19	-

iii) विद्युतकरघा क्षेत्र : आवंटित और जारी की गई निधियों का ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है:

iv) कामगार हास्टल योजना : योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार पललादम हाई-टेक विविंग पार्क में कामगारों का हास्टल पूरा हो गया है और इसमें फिलहाल लगभग 312 कामगारों को आवास प्रदान किया गया है। इस परियोजना के लिए जारी की गई निधियों का ब्यौरा नीचे दिए अनुसार है:

तमिलनाडु राज्य में कामगार हास्टल पर व्यय (करोड़ रू. में)							
2016-17		**2017-18**		**2018-19**		**2019-20***	
सं.अ.	**वास्तविक**	**सं.अ.**	**वास्तविक**	**सं.अ.**	**वास्तविक**	**ब.अ.**	**वास्तविक**
2.9	1.0	0.9	0.91	0.66	-	0.9	-

वस्त्र क्षेत्र की इन योजनाओं का उद्देश्य अखिल भारत आधार पर वस्त्र उद्योग/इकाईयों का संवर्धन/उन्नयन करना है और तमिलनाडु सहित देशभर में लगे कामगारों के लाभ के लिए इसमें रोजगार के अवसर सृजित करने की बड़ी संभावना है।

<u>अनुबंध-I</u>

<u>योजनाओं का ब्यौरा</u>

i. **संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (एटीयूएफएस):** पात्र मशीनरी के लिए एकबारगी पूंजीगत सब्सिडी के साथ वस्त्र उद्योग के प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए संशोधित योजना 17,822 करोड़ रुपए के परिव्यय से जनवरी, 2016 में शुरू की गई थी। इस योजना को लगभग 95,000 करोड़ रुपए का नया निवेश जुटाने और वर्ष 2022 तक 35 लाख व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

ii. **समर्थ- वस्त्र क्षेत्र क्षमता निर्माण योजना (एससीबीटीएस) :** यह योजना संगठित क्षेत्र में स्पिनिंग तथा विविंग को छोड़कर वस्त्र क्षेत्र की समग्र मूल्य श्रृंखला के लिए 1300 करोड़ रूपए के परिव्यय के साथ वर्ष 2017-18 से 2019-20 की तीन वर्षों की अवधि के लिए लागू की गई है। इस योजना का उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ संगठित वस्त्र तथा संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार सृजन करने तथा परंपरागत क्षेत्रों में कौशल तथा कौशल उन्नयन उपलब्ध कराने के उद्योग के प्रयासों में सहायता करना तथा प्रोत्साहन देने के लिए एक मांग आधारित, प्लेसमेंट उन्मुखी, राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप कौशल कार्यक्रम भी उपलब्ध कराना है। इस योजना के अंतर्गत मार्च, 2020 तक 10.00 लाख लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

iii. **पावर टेक्स इंडिया:** व्यापक विद्युतकरघा विकास योजना को साधारण विद्युतकरघों का स्व-स्थाने उन्नयन, समूह वर्कशेड योजना, यार्न बैंक योजना, सामान्य सुविधा केन्द्र (सीएफसी), सौर उर्जा योजना, प्रधानमंत्री ऋण योजना आदि जैसे संघटकों के साथ 01.04.2017 से 31.03.2020 अवधि के लिए शुरू किया गया है।

iv. **राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम:** इन कार्यक्रमों का उद्देश्य एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से हथकरघा और हस्तशिल्प कलस्टरों का सर्वांगीण विकास करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत रणनीतिक पहलों में नए उन्नत करघों और टूल किटों के लिए वित्तीय सहायता, डिजाइन नवाचार, उत्पाद और अवसंरचना विकास, कौशल उन्नयन, प्रशिक्षण, विनिर्माण और निर्यात बढ़ाने के लिए मेगा कलस्टरों की स्थापना, बुनकरों और कारीगरों के लिए अनुकूल मुद्रा ऋण के माध्यम से कार्यशील पूंजी के लिए आसान पहुंच तथा बुनकरों और कारीगरों को प्रत्यक्ष विपणन सहायता शामिल हैं।

v. **सिल्क समग्र**: भारत सरकार, देश में रेशम उत्पादन के विकास के लिए अनुसंधान और विकास, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी का अंतरण तथा आई.टी. पहलों, बीज संगठनों को सहायता, समन्वय एवं बाजार विकास तथा गुणवत्ता प्रमाणन प्रणाली (क्यूसीएस)/निर्यात ब्रांड संवर्धन तथा प्रौद्योगिकी उन्नयन जैसे संघटकों के साथ 'सिल्क समग्र' नामक केंद्रीय क्षेत्र की योजना का क्रियान्वयन कर

रही है। रेशम को ऊन, कयर, कपास जैसे अन्य फाइबरों के साथ मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग वाले नए उत्पादों का विकास करने के लिए आरएंडडी प्रयास शुरू किए गए हैं।

vi. **एकीकृत वस्त्र पार्क योजना (एसआईटीपी):** यह योजना वस्त्र विनिर्माण के नए कलस्टरों को विकसित करने में निजी निवेशों को आकर्षित करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी पद्धति से क्रियान्वित की गई है। भारत सरकार 40 करोड़ रुपए की सीमा के भीतर परियोजना लागत के 40% तक वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

vii. **जूट-आईकेयर**: सावधानीपूर्वक डिजाइन की गईं पहलों के माध्यम से कच्ची पटसन की उत्पादकता तथा गुणवत्ता में सुधार करने के लिए वर्ष 2015 में जूट-आईकेयर (बेहतर खेती तथा उन्नत रैटिंग प्रक्रिया) नामक एक परियोजना की शुरूआत की गई थी। इस परियोजना से देश के विभिन्न राज्यों में 1.9 लाख किसानों को लाभ प्राप्त हुआ है।

*****

अनुबंध-II

तमिलनाडु राज्य में पिछले 3 वर्ष और चालू वर्ष के दौरान आवंटित और जारी की गई निधियों का ब्यौरा (करोड़ रू. में)

क्र. सं.	योजना का नाम	2016-17			2017-18			2018-19			कुल			तमिलनाडु में लाभांवित परियोजनाओं/इकाईयों की संख्या
		आईएसपीएसडी			पावरटेक्स									
		कुल आवंटित	कुल व्यय	तमिलनाडु को जारी की गई सब्सिडी	कुल आवंटित	कुल व्यय	तमिलनाडु को जारी की गई सब्सिडी	कुल आवंटित	कुल व्यय	तमिलनाडु को जारी की गई सब्सिडी	कुल आवंटित	कुल व्यय	तमिलनाडु को जारी की गई सब्सिडी	
1	स्व-स्थाने उन्नयन योजना	68.25	68.25	49.18	68.31	66.38	31.03	44.98	44.98	34.53	181.54	179.61	114.74	उन्नत किए गए करघों की संख्या 19488
2	यार्न बैंक योजना	9.161	9.161	2.228	4.870	4.870	1.960	5.650	5.270	-	19.68	19.30	4.188	9
3	सामान्य सुविधा केन्द्र	0.390	0.391	0.360	4.000	3.520	1.515	-	-	-	4.390	3.911	1.875	2
4	क्रेता-विक्रेता बैठक	2.495	2.495	0.300	1.260	1.260	0.100	1.480	1.350	0.300	5.235	5.105	0.700	7 कार्यक्रम
5	संगोष्ठी/कार्यशाला	0.430	0.430	0.065	0.490	0.490	0.073	0.140	0.140	0.001	1.060	1.060	0.139	19 संगोष्ठी
6	अनुभव दौरा	0.340	0.340	0.073	0.300	0.300	0.068	0.260	0.260	0.030	0.900	0.900	0.170	448 बुनकर
7	सहायता अनुदान (आवर्ती-आधुनिकीकरण)	4.583	4.583	1.510	4.690	4.690	1.140	4.690	4.580	1.140	13.963	13.963	3.790	सिट्रा के 7 पीएससी
8	टेक्स-वेंचर पूंजीनिधि योजना	3.000	3.000	3.000	-	-	-	-	-	-	3.000	3.000	3.000	1 परियोजना